



१ वेवाचनाय विमरु चिन्त
नन्नाद विवचाद यत् ॥

आशा मरुकाथि

1.136

ASHA ARCHIVES

१ याणां कणवजालीनि, हेसां यथेन नां शि
मूढु मातो धनिको वल्लियनरु ववी ॥
युन्युनतयाणां कुयवाक ॥ जय उथा मास
नव विणवत विणिश्यायि यूर्ध्नि ति लो वाद
यसु निष्ठाकर नव ननु सां ॥ ५ ॥

यथैर्त्तं यूनश्चरत तद्विष्णुना काम तद्विष्णुना
तथैर्त्तं तद्विष्णुना माऊन तद्विष्णुना वाक्राव
राजनात्मक यूनश्चरत मदं कविष्य ॥

श्री महाप्रियव्रसूयथै तथैयामि मूल मनुसुतं
नधर ॥ ॥ माऊनया मूल मनु मद मलि वि
श्यामि ॥ ॥ श गृह्णदवी महा राग्य निवाका वा ४
गिनी वृचिनी ४ गृह्ण गुरु रुरु वृत्ति वृद्धि गृह्ण वलि
नव ४ ॥ निवा वलि मनु ध ॥

१धकिनिईतविधान॥ लंसायसनजानर्थं॥ न्यास॥
पूजन॥ मूद्यान वज्र वगिणि हकालं सकालं व
उक्त॥ वलिविय॥ शर॥ समन्ता॥ यतिष्टा॥ वा
द्य॥ अथवाजाहा॥ मासतक्षु॥ ॥ विद्या
वीठिमहाद्वान वाद्यमलुनमाहि न॥ इत्थमाहि

नदवागं कर्थासंगुसंरुव॥ नककृषूहनिव्यी
नं यदुत्पलं विचिह्नं॥ विनिदवदवीस एकवि
रुष्टयदीकिर्न॥ नरुलं नतुजादुया अथयग
नयिस॥ नृनरुमरुक्षुं वरुकोययसंयुतं॥ स
व्यायविनिमूर्कं सर्वकामरुलयदं॥ यूरुयोरु

धनं धनं लक्ष्मीं अयिष्य रुद्र उ ॥ यावत् रुद्र मुनु
ता नावद् वर्यसदसकं ॥ यादशात्सवसदधी व
चालोसमन्विता ॥ दक्षिणादि वरु ४ वद्वा दस्यं
वगुजवददत्तं । ऊजमातातदद्याथा यदि वरु
तिवर्थकं ॥ येथामुक्ति ॥ धकिनीयातामनिनः

मिचलि ॥ धनं धकिनि ईत विधि ॥ ॥
नेदीलीदवीयुगवदकनाथागंधवूया कर्तुं जलिलीलि
दिगवलिगृह २ स्वादा ॥ १ ॥ नेदीली कौ कौ ई ई ई ई ई ई
दू ई ई ग्यालीय जलिलीलि सदिगवलिगृह २ स्वादा ॥ २ ॥
नेदीली गंगी गंगी गंगी गंगी गंगी गंगी गंगी गंगी
वीययान सदिगवलिगृह २ स्वादा ॥ ३ ॥ नेदीली गंगी

~~॥ श्रीगणेशाय नमः ॥~~

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं मे भवतु ॥
सर्वदुःखहर्त्राय नमः ॥
सर्वकल्याणाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं मे भवतु ॥
सर्वदुःखहर्त्राय नमः ॥
सर्वकल्याणाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं मे भवतु ॥
सर्वदुःखहर्त्राय नमः ॥
सर्वकल्याणाय नमः ॥

२. अथिना नयना किं कायमस्य ॥ अथिनाय नयनमि
 त्तमममि नयनं दृष्ट्वा पुनरिनायं पुनर्दृष्ट्वा नयन
 मयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपद
 मयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपद
 मयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपद
 मयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपद

पद २
 अ २

३. अथिना नयना किं कायमस्य ॥ अथिनाय नयनमि
 त्तमममि नयनं दृष्ट्वा पुनरिनायं पुनर्दृष्ट्वा नयन
 मयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपद
 मयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपद
 मयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपद
 मयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपदमयुगपद

पद ३
 अ ३

॥० ॥ अथ श्रीगणेशोपनिषद् ॥
 ओम् नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

विश्व॥स्वास्वयस॥

刊

॥ ८५ ॥

三

नर॥

मूल
पूर्वषाट्

उक्तगषाट्यायाद१

धनषाधनूनासिसर्षद

उक्तगषाट्यायाद३

श्रवण

धनिश्रयायाद२

धनषामक्तनासिसर्षद

धनिश्रयायाद२

गतविष

पूर्वश्रुदयायाद३

धनषाकूटनासिसर्षद

पूर्वश्रुदयायाद१

उक्तनश्रु

प्रवर्ति

धनषामीननासिसर्षद

१जातिनीश्रय॥

१याश्र नवमी पूर्वस॥

१दुलाष द्विसि उक्तनस॥

१दुलाष एकादशी त्रिक

१आथोक द्वादशी त्रिषत्य

१पंचमी त्रिषादशी दक्षि

१षष्टि यशुदशी अष्टमि

१सति पूर्वनिशि वामयस

१मृष्टि मृसावाप्ति ॥ ०० ॥

६५

१ लुब्धिनी

रुग्णी

कृत्तिकयायाद३

धनयाभषनासिसर्गद

कृत्तिकयास्त्रियाद३

आदिनी

मृगलिनयानयाद३

धनयावृषनासिसर्गद

मृगलिनयायाद३

आदि

यूनवस्त्रयायाद३

धनमिथूननासिसर्गद

यूनवस्त्रयायाद३

युष्म

जुष्म

धनयाकर्कनासिसर्गद

मघा

पूर्वफाल्गुनी

उक्तनफाल्गुनीयायाद३

धनयासिंहनासिसर्गद

उक्तनफाल्गुनीयायाद३

रुक्

विशयानयाद३

धनयाकर्कनासिसर्गद

विशयायाद३

स्योनी

विशयायाद३

धनयातुलनासिसर्गद

विसाषयायाद३

जूननाद

अक्ष

धनयाविष्कनासिसर्गद

१ मृद्विनी
१ रुमणी
१ कालिक
१ आदिनी
१ मुगलिन
१ लदा
१ फनवेस
१ यष
१ लप्लष
१ सद्य
१ प्रबलकुली
१ रुमनरुलकुली
१ रुस
१ प्रिय
१ स्वाति
१ विमोष
१ लनगार

१ कद
१ मूल
१ यूयोभाह
१ उरुगार
१ प्रवल
१ अनिष्ट
१ लगुविष
१ यूवेलह
१ उरुनह
१ यवति

१ मय
१ वृष
१ मिथून
१ कर्क
१ सिं
१ कर्क
१ तुम
१ विष्णु
१ धनुर
१ मय
१ कर्क
१ मीन

इग
मो कुरु
उकुरु
सुसिनाम
कुरु अति
सुसिनाम
व सुसिनाम
उ सुसिनाम
उ सुसिनाम
उ सुसिनाम
उ सुसिनाम

1.136

१ चन्द्रयूजानित्माद्यदि गवांसि जल
जमत ॥ चन्द्रयूजानित्माद्यदि गवांसि जल
सधाय ॥ वलि यात ३ ॥ सुय्यो धि ॥ ॥ ॥
मुख्यधुमधुला ॥ न्यास ॥ बुक्कलद ॥ ॥
लायक ॥ तिष्टा नमधत नकलाने न्या

सर्जंगवर्कुं नाम ॥ जलजुधवाययूजा ॥
मृतशुद्धि ॥ आत्मयूजा ॥ आधालसक
यथादि ॥ श्रीसम्वत् ॥ विदववलि ॥
आन ॥ अंभवममंगदूवात्मा कुलवर्धुम
दुदागिन ॥ दिगुजामुखग्यामां रयुं

५
गुणतयलविष्णुविर्न ॥ गणेशायविर्न
दी यद्ममयविचित्रय ॥ तिस्राल्यसर्व
दवानां वरुनाथा नतिवदय ॥ नमो
तम ॥ वाय ॥ सनात ॥ आचमन ॥ चन्दन ॥
सिधूत ॥ अक्षुयविर्न ॥ वृषी नम ॥ त्रिया

अली ॥ विंकीयं कुंझीं व्रांवीवृं चूं झूं
कुलव ॥ वृष्यवरुं ववाय वाय ॥ वृ
अव्रांवीवृं चूं मूं कुलव ॥ वृष्यवरुं ववाय
वृ ॥ वव ॥ वृ ॥ वलि ॥ हृदयादि ॥
अवृच ॥ वृष्यवरुं य २ ॥ वरु ॥ य ॥ वरु

कायालि ॥ वलु मल यजि दाना ॥ वलु का
माना ॥ मूल यजि दानाय ॥ कर्मणा स्वि
न ॥ संहार री न वाय ॥ चन्द नाका पृथीश ॥
युग काका य ॥ जय वाला ॥ केला सविन ॥
धम कुन वलि ॥ वाक म हा वलि ॥ आ वा द

वत या निमृदा ॥ धृप ॥ दीय ॥ नेव अ ॥ आ
य ॥ दूरी मी म्हा दा ॥ चो चो म्हा दा ॥ १० ॥ गण ॥
अख ती क्री लु मनु वै वृ ला ॥ पी सम्व फा ॥
वलु मृ वि कृ तां उर्य ॥ वर्म वा स न दि वि य ॥
गज चर्म धला दव वलु ना था य न न म ॥ तय

न कान ॥ जम्भ ॥ विसर्जन ॥

गुरु ॥

१ यक्ष धाला युजा ॥ ॥ मङ्गल वृषमायुक्तं जम्भ
गृकया दिनासन ॥



वेदा
ययैउ
वट्टरुवि
कमदा
बोनसोम
बोन
नसाक
शीनवठु
मनव
वियवि
उठि
सन्ध
सा

५०५५
५०५५
५०५५
५०५५
५०५५
५०५५
५०५५
५०५५
५०५५
५०५५

मंगल ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ १ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ २ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ ३ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ ५ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ ६ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ ७ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ ८ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ ९ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ १० ॥

श्री गणेशाय नमः ॥ ११ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ १२ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ १४ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ १५ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ १६ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ १७ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ १८ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ १९ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ का सा धर्मः ॥ २ ॥ वसुदेव नमः ॥
संज्ञा यत्नमः ॥ ३ ॥ वसुदेव नमः ॥ ४ ॥ स नमो यत्नमः ॥
नमो यत्नमः ॥ ५ ॥ वसुदेव नमः ॥ ६ ॥ स नमो यत्नमः ॥
वसुदेव नमः ॥ ७ ॥ वसुदेव नमः ॥ ८ ॥ वसुदेव नमः ॥
वसुदेव नमः ॥ ९ ॥ वसुदेव नमः ॥ १० ॥ वसुदेव नमः ॥

स यत्निर कदापि न वसुदेव किं कृत्यो यत्निर
न विदुर्निरुद्धं साक्षात् ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
सा धर्मः ॥ ११ ॥ वसुदेव नमः ॥ १२ ॥ वसुदेव नमः ॥ १३ ॥ वसुदेव नमः ॥
१४ ॥ वसुदेव नमः ॥ १५ ॥ वसुदेव नमः ॥ १६ ॥ वसुदेव नमः ॥ १७ ॥ वसुदेव नमः ॥
१८ ॥ वसुदेव नमः ॥ १९ ॥ वसुदेव नमः ॥ २० ॥ वसुदेव नमः ॥

मकारं ॥ गतं नराय ॥ कृष्णं कुरु ॥ १ ॥
काकायावर्तः ॥ गतं ॥ वत्सुमं नमः ॥ कृष्णं कुरु ॥
गुरुं नमः ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
कुरुं नमः ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
कुरुं नमः ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

निराकारं ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
निराकारं ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
निराकारं ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
निराकारं ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
निराकारं ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

धृति गत कवचः ॥ १ ॥
 धृति गत कवचः ॥ २ ॥
 धृति गत कवचः ॥ ३ ॥
 धृति गत कवचः ॥ ४ ॥
 धृति गत कवचः ॥ ५ ॥
 धृति गत कवचः ॥ ६ ॥
 धृति गत कवचः ॥ ७ ॥
 धृति गत कवचः ॥ ८ ॥
 धृति गत कवचः ॥ ९ ॥
 धृति गत कवचः ॥ १० ॥

上 中 下	上 中 下	上 中 下
上 中 下	上 中 下	上 中 下

Table with 10 columns and 10 rows of Chinese characters, likely a calendar or astronomical table.

甲	子	丑	寅	卯	辰	巳	午	未	申
乙	丑	寅	卯	辰	巳	午	未	申	酉
丙	寅	卯	辰	巳	午	未	申	酉	戌
丁	卯	辰	巳	午	未	申	酉	戌	亥
戊	辰	巳	午	未	申	酉	戌	亥	子
己	巳	午	未	申	酉	戌	亥	子	丑
庚	午	未	申	酉	戌	亥	子	丑	寅
辛	未	申	酉	戌	亥	子	丑	寅	卯
壬	申	酉	戌	亥	子	丑	寅	卯	辰
癸	酉	戌	亥	子	丑	寅	卯	辰	巳

Table with 10 columns and 10 rows of Chinese characters, likely a calendar or astronomical table.

甲	子	丑	寅	卯	辰	巳	午	未	申
乙	丑	寅	卯	辰	巳	午	未	申	酉
丙	寅	卯	辰	巳	午	未	申	酉	戌
丁	卯	辰	巳	午	未	申	酉	戌	亥
戊	辰	巳	午	未	申	酉	戌	亥	子
己	巳	午	未	申	酉	戌	亥	子	丑
庚	午	未	申	酉	戌	亥	子	丑	寅
辛	未	申	酉	戌	亥	子	丑	寅	卯
壬	申	酉	戌	亥	子	丑	寅	卯	辰
癸	酉	戌	亥	子	丑	寅	卯	辰	巳

॥ १०६ ॥

[illegible]